



COMPILED AND CIRCULATED BY PROF. ANUSTUP CHATTOPADHAYAYA, ASSISTANT PROFESSOR, DEPARTMENT OF SANSKRIT, NARAJOLE RAJ COLLEGE

## " रविवार-त्रिपाठी "

①

बहुमुखी-प्रतिभा श्रिनी, आधुनिक अक्षुभ्रत कामधेय अक्षुभ्रत वृष-  
कवि प्रो. रविवार-त्रिपाठी जन्म 15th Feb-1949- ए इतिप्रदेश  
एवं आन्ध्र (बांगला) जन्मभू स्थ। प्रो. त्रिपाठी अक्षुभ्रत आश्रितेय  
प्रध्यात- नाटककार, निबन्धकार, लेखक, उपन्यासकार, अनुवादक,  
अधीक्षक, एतः आलोचकत्वात् एतन्तः पण्डित अभावे अतिशयिष्ठ २५।  
प्रो. त्रिपाठी विगत श्री गोकुलप्रसाद त्रिपाठी इत्यादि -  
विद्यमान्य ५००पुत्रे- अक्षुभ्रत प्रारब्धकार- हिमन। १९७०-२-

आगत- विन्ध्यविद्यालय (येते M.A पात्र वृत्तार पर उदयपुर-विं-  
विद्यालये- अक्षुभ्रत-विद्यमाने अतिशय कले निष्ठ २५।

३१वर्ष- २००८ August (येते- २०१३ पर्यन्त) राष्ट्रीय अक्षुभ्रत-  
अक्षुभ्रत, New Delhi (उ- कुलपति (Vice-Chancellor) कले  
कार्य-कार अक्षुभ्रत वृत्त २५। प्रो. त्रिपाठी १९८७ (येते २००८ पर्यन्त)  
अनेक वार वैश्विक यात्रा वृत्त २५। यार- अर्धे- Humboldt

University, Holland, Viana, Edinburgh, Bangkok,  
Silpakorn and University (उ- विदित अभावे ऐक्यनिक-यात्रा  
वृत्त २५। राष्ट्रीय एतः अनुशासित्य अनेक- अक्षुभ्रत ३००० पृष्ठ-  
वृत्त २५। यथा- १९७६-२ "संस्कृत कवियों के व्यक्तित्व विकास" विषये  
उपर उदय प्रदेश अक्षुभ्रत एतन्तः द्वारा पुरस्कार, १९७९-२-

"वाल्मीकिविमर्श" एवं उपर पुरस्कार, "कुन्दमाला" नाटक उपर-  
१९८२- (उ- "इतिहास" पुरस्कार, १९९३- "लहरीदशका" एवं  
ऊपर "इतिहास" अक्षुभ्रत पुरस्कार, १९९४- "संसाधन" एवं ऊपर-  
दिशी एतन्तः एतः अनेकवृत्त विद्यमान- राष्ट्रीय "श्रीनी वृत्त" अक्षुभ्रत  
२०१०- पण्डित-यात्रा कामधेय आदि अक्षुभ्रत पृष्ठ २५।

प्रो. त्रिपाठी नवीन एतः उदार-पृष्ठ अक्षुभ्रत कविधेय अर्ध-  
अभ्यतम्, त्रिपाठी प्रधुष आश्रितिक वृत्त २५। यथा-

अक्षुभ्रत, नक्षुभ्रत, गीतश्रीकम्, अक्षुभ्रत, (पुष्प-अक्षुभ्रत,  
उपन्यास-आलोचक, अनुवादक, विद्या-अक्षुभ्रत, इत्यादि,

अक्षुभ्रत-अक्षुभ्रत, विद्या-अक्षुभ्रत वृत्त २५।



